भारत - लिथुआनिया संबंध

लिथुआनिया के साथ भारत के घनिष्ठ एवं मधुर संबंध हैं जो मजबूत सांस्कृतिक रिश्तों द्वारा सुदृढ़ हैं। भारत ने तत्कालीन यू एस एस आर द्वारा उनकी आजादी को स्वीकार किए जाने के बाद 7 सितंबर, 1991 को लिथुआनिया को मान्यता प्रदान की (लात्विया एवं इस्टोनिया के अन्य बाल्टिक राज्यों के साथ)। लिथुआनिया के राजनयिक संबंध 25 फरवरी, 1992 को स्थापित किए गए।

लिथुआनिया ने जुलाई 2008 में नई दिल्ली में अपना दूतावास खोला था तथा मुंबई (श्री ओम प्रकाश लोहिया), बंगलुरू (श्री किरन शाह) और कोलकाता (श्री अरविंद सुखानी) में इसके मानद कोंसुल हैं। इस समय वार्सा में हमारे राजदूत को लिथुआनिया की समवर्ती रूप से जिम्मेदारी सौंपी गई है तथा वह अक्सर विलनियस का दौरा करते हैं। विलनियस में भारत के मानद कोंसुल (विंग कमांडर (सेवानिवृत्त) राजेन्द्र चौधरी) जनवरी 2015 से काम कर रहे हैं। (इससे पहले वह 2007 से 2010 तक भी काम कर चुके हैं)।

भारत और स्वतंत्र लिथुआनिया के बीच पहला राजनीतिक संपर्क जून 1992 में उस समय हुआ था जब भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री पी वी नरिसिम्हा राव ने रियो पृथ्वी शिखर बैठक के दौरान लिथुआनिया के पहले राष्ट्रपति श्री व्यतौतस लैंड्सबर्गीज से मुलाकात की थी।

भारत की ओर से यात्रांए : कृषि राज्य मंत्री श्री मोहन भाई कुंडारिया ने महात्मा गांधी तथा लिथुआनिया के अपने दोस्त हर्मन कालेनबच की एक मूर्तिकला कंपोजीशन के अनावरण के लिए अक्टूबर 2015 में लिथुआनिया का दौरा किया। विदेश राज्य मंत्री श्रीमती प्रनीत कौर ने मार्च, 2011 में विल्नुइस का दौरा किया। विदेश राज्य मंत्री श्रीमती प्रनीत कौर ने लोकतांत्रिक समुदाय की मंत्री स्तरीय बैठक में भाग लेने के लिए जून 2011 में विल्नुइस का पुन: दौरा किया। भारत की ओर से पिछली यात्राओं में निम्नलिखित शामिल हैं : विदेश राज्य मंत्री श्री सलमान खुर्शीद ने अगस्त, 1995 में लिथुआनिया का दौरा किया; विदेश राज्य मंत्री श्री राव इंद्रजीत सिंह ने अक्टूबर, 2005 में तथा विदेश राज्य मंत्री श्री आनंद शर्मा ने मार्च, 2007 में लिथुआनिया का दौरा किया।

लिथुआनिया की ओर से यात्राएं : लिथुआनिया के विदेश मंत्री श्री लिनास लिंकेविसियस ने 11-12 नवंबर, 2013 को नई दिल्ली में आयोजित 11वीं असेम विदेश मंत्री बैठक में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया। 10 नवंबर, 2013 को असेम विदेश मंत्री बैठक 2011 के दौरान अतिरिक्त समय में श्री लिंकेविसियन ने विदेश मंत्री से मुलाकात की। राजनयिक पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा की आवश्यकता से छूट के लिए करार पर दोनों विदेश मंत्रियों ने हस्ताक्षर किए। लिथुआनिया की ओर से पिछली यात्राओं में निम्नलिखित शामिल हैं : (1) सितंबर 1995 में प्रधानमंत्री अडोलफस स्लेजेविसियस की नई दिल्ली यात्रा। (2) फरवरी 2001 में राष्ट्रपति वल्दास अदामकस की भारत की राजकीय यात्रा (3) लिथुआनिया के विदेश मंत्री श्री व्यगौदस उसैकस की दिसंबर 2009 में भारत यात्रा।

संसदीय आदान - प्रदान : लिथुआनिया की संसद की ओर से तीन यात्राएं हुई हैं - पहली यात्रा 1993 में और अगली यात्रा जनवरी 2003 में उस समय हुई थी जब संसद के डिप्टी स्पीकर श्री गिंटारस स्टेपोनाविसियस और लिथुआनिया संसद की विदेश मामले समिति के अध्यक्ष श्री गेडिमिनास किरकिलास ने भारतीय संसद के स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर अंतर संसदीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया। डिप्टी स्पीकर श्री एल्गिस कसेटा के नेतृत्व में लिथुआनिया के एक संसदीय शिष्टमंडल ने नवंबर 2010 में भारत का दौरा किया। सितंबर 2010 में लिथुआनिया की संसद में भारत - लिथुआनिया फोरम का उद्घाटन किया गया। यह लिथुआनिया के विदेश मंत्रालय तथा लिथुआनिया की संसद द्वारा की गई पहल की देन थी। यह फोरम भारत के बहुआयामी संबंधों जिसमें संस्कृति, शिक्षा, व्यवसाय और विज्ञान शामिल है, को सुदृढ़ करने के लिए भारत में इच्छुक व्यक्तियों एवं संस्थाओं तथा विभिन्न गैर सरकारी संगठनों को सहायता प्रदान करता है।

द्विपक्षीय करार : निम्नलिखित द्विपक्षीय करारों पर हस्ताक्षर किए गए हैं :

- व्यापार एवं आर्थिक सहयोग के लिए करार जिस पर जुलाई, 1993 में हस्ताक्षर किया गया।
- दोनों देशों के विदेश कार्यालयों के बीच द्विपक्षीय परामर्श के लिए प्रोटोकाल जिस पर अगस्त, 1995 को हस्ताक्षर किया गया।
- वायु सेवा पर समझौता ज्ञापन जिस पर नई दिल्ली में नवंबर, 1999 को भारत सरकार एवं लिथुआनिया सरकार के बीच हस्ताक्षर किया गया।
- वायु सेवा करार जिस पर नई दिल्ली में 20 फरवरी, 2001 को हस्ताक्षर किया गया।
- संस्कृति, विज्ञान एवं शिक्षा के क्षेत्रों में सहयोग के लिए करार जिस 20 फरवरी, 2001 को नई दिल्ली में हस्ताक्षर किया गया।
- आर्थिक एवं तकनीकी सहयोग के लिए करार जिस पर 20 अक्टूबर, 2001 को नई दिल्ली में हस्ताक्षर किया गया।
- द्विपक्षीय निवेश संवर्धन एवं संरक्षण करार (बी आई पी पी ए) जिस पर मार्च 2011 में हस्ताक्षर किया गया।
- दोहरा कराधान परिहार करार (डी टी ए ए), जिस पर नई दिल्ली में जुलाई 2011 में हस्ताक्षर किया गया।
- राजनयिक पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा की आवश्यकता से छूट के लिए करार जिस पर 10 नवंबर, 2013 को नई दिल्ली में हस्ताक्षर किया गया।

आर्थिक संबंध

भारत की ओर से लिथुआनिया को जिन वस्तुओं का निर्यात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से सब्जियों के सैप और एक्सट्रैक्ट, फिश फिलेट तथा अन्य फिश मीट, मेडिकामेंट, फुटवियर, एक्सट्रैक्ट, कॉफी के इसेंस एवं कंसंट्रेट, चाय या मेट, फेरो एलॉय, कार्पेट, चावल आदि शामिल

हैं। लिथुआनिया की ओर से भारत को जिन वस्तुओं का निर्यात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से खनिज या रासायनिक उर्वरक, पोटासिक, सूखी लेगुमिनस सब्जियां, शेल्ड, टेक्सटाइल सामग्रियों के वैडिंग, निकल वेस्टर एवं स्क्रैप, डाग्नोस्टिक या लैबोरेटरी रीजेंट ऑन बैकिंग, माचजोनो थिरेपी अप्लायंस शामिल हैं।

पिछले कुछ वर्षों के लिए द्विपक्षीय व्यापार के आंकड़े यहां नीचे दिए गए हैं :

(आंकड़े मिलियन अमरीकी डालर में)

वर्ष	**2010-11**	**2011-12**	**2012-13**	**2013-14**	**2014-15**
भारत का निर्यात	83	135	147	105	103
भारत का आयात	125	203	46	54	112
कुल कारोबार	208	338	193	159	215

(स्रोत : डी जी सी आई एस)

आर्थिक क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि प्लास्टिक रेजिन का विनिर्माण करने के लिए क्लैपेडा आर्थिक क्षेत्र में एक संयंत्र में उनकी थाईलैंड शाखा से इंडोरामा जो लोहिया ग्रुप की कंपनी है, द्वारा लगभग 200 मिलियन अमरीकी डालर का निवेश है। इस निवेश ने लिथुआनिया में भारत की उपस्थिति दर्ज कराई है।

लिथुआनिया में मेक इन इंडिया रोड शो : भारत ने 13 अप्रैल 2015 को विलनियस में भारतीय दूतावास एवं भारतीय मानद वाणिज्य दूत द्वारा विलनियस में लिथुआनिया के उद्योग परिसंघ के सहयोग से आयोजित मेक इन इंडिया रोड शो में निवेश के नए एवं आकर्षक अवसरों का लाभ उठाने के लिए लिथुआनिया की कंपनियों को आमंत्रित किया। इस रोड शो में लिथुआनिया की अग्रणी कंपनियों से 30 से अधिक कारोबारी कार्यपालकों ने भाग लिया जो विभिन्न क्षेत्रों से थे। इनवेस्टर्स फोरम ऑफ लिथुआनिया, बाल्टिक इंस्टीट्यूट ऑफ कारपोरेट गवर्नेंस, लिथुआनिया प्राइवेट इक्विटी एण्ड वेंचर कैपिटल एसोसिएशन तथा स्थानीय विदेश कार्यालय के अधिकारियों ने भी बैठक में भाग लिया।

विश्व डेयरी शिखर बैठक : भारत सरकार के कृषि मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुश्री रजनी सेखरी सिबल ने विलनियस में विश्व डेयरी सम्मेलन के लिए सितंबर 2015 में विलनियस का दौरा किया। डेयरी उत्पादों के अग्रणी उत्पादक के रूप में भारत ने इस सम्मेलन में महत्वपूर्ण योगदान दिया जहां सुश्री सिबल मुख्य वक्ता थीं।

इंडिया बाल्टिक चैंबर ऑफ कामर्स (आई बी सी सी) का गठन 2009 में हुआ तथा लिथुआनिया के विदेश मंत्री के साथ 22 सदस्यों के एक कारोबारी शिष्टमंडल ने दिसंबर 2009 में भारत का दौरा किया।

आई सी ई बी एफ बंगलौर : इंडिया - बाल्टिक चैंबर ऑफ कामर्स के नेतृत्व में लिथुआनिया के एक कारोबारी शिष्टमंडल ने 5 और 6 अक्टूबर 2015 को बंगलौर में फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्री (फिक्की) द्वारा आयोजित दूसरे भारत - मध्य यूरोप व्यवसाय मंच में भाग लिया। कंपनी के प्रतिनिधियों ने अपने भारतीय समकक्षों के साथ विस्तार से कारोबारी बैठकें की। बैठक आर्थिक मामलों पर संकेन्द्रित थी तथा अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं में दोनों देशों के बीच घनिष्ठ सहयोग पर भी चर्चा हुई।

सांस्कृतिक संबंध :

इंडोलॉजी : कई दशकों से विल्नुइस विश्वविद्यालय में भारतीय भाषाओं (मुख्य रूप से हिंदी एवं संस्कृत) की पढ़ाई हो रही है। प्राच्य अध्ययन विभाग के तहत एक अलग भारतीय अध्ययन केंद्र का गठन 1996 में विल्नुइस विश्वविद्यालय में किया गया। विदेश राज्य मंत्री श्री राव इंद्रजीत सिंह ने अक्टूबर 2005 में विलनियस विश्वविद्यालय के प्राच्य अध्ययन केन्द्र में भारतीय अध्ययनों को प्रोत्साहित करने के लिए 10000 अमरीकी डालर के अनुदान की घोषणा की थी तथा इस अनुदान से स्थापित एक आशा प्रयोगशाला का उद्घाटन फरवरी 2007 में किया गया। विलनियस विश्वविद्यालय में आई सी सी आर के तत्वावधान में अगस्त 2006 में भारतीय अध्ययनों पर मध्य एवं पूर्वी यूरोप के द्वितीय क्षेत्रीय सेमिनार (सी ई ई आई एस) का भी आयोजन किया।

सांस्कृतिक बंधुत्व : योग सहित भारत की सांस्कृतिक परंपराओं में लिथुआनिया के लोगों की गहरी रूचि है। एक अनुमान के अनुसार भारत के दौरे पर लिथुआनिया से आने वाले 70 प्रतिशत से अधिक लोगों की अध्यात्म एवं योग में रूचि होती है। आयुर्वेद में उनकी विशेष रूचि है। कौनास आयुर्वेद केंद्र आयुर्वेद पर लेक्चर की व्यवस्था करता है। इस्कॉन मूवमेंट का कौनास में एक बहुत सक्रिय मंदिर है।

आई सी सी आर चेयर : आई सी सी आर तथा माइकोलास रोमरीस विश्वविद्यालय (विलनियस) के बीच हस्ताक्षरित एम ओ यू के आधार पर जनवरी 2011 में बाल्टिक राज्यों में भारतीय अध्ययन की पहली आई सी सी आर की (दीर्घावधिक) स्थापित की गई। दो साल के लिए जून 2014 तक अतिथि प्रोफेसर विश्वविद्यालय के साथ थे। भारतीय अध्ययनों की एक आई सी सी आर पीठ स्थापित करने के लिए आई सी सी आर ने जनवरी 2015 में विलनियस विश्वविद्यालय के साथ एक करार पर हस्ताक्षर किया है।

रोमुवा समुदाय : मेजर सुरेन्द्र माथुर के नेतृत्व में राजस्थान से 5 विद्वानों की एक टीम ने मई 2015 में लिथुआनिया के रोमुवा समुदाय के विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए लिथुआनिया का दौरा किया। उन्होंने एक समारोह में भाग लिया जहां इस समुदाय की प्रतिनिधि सुश्री इनिजा ट्रिकुनीने को 'हाई प्रिस्टेस' के रूप में अभिषिक्त किया गया। आई सी सी आर ने भारत, लिथुआनिया तथा अन्य बाल्टिक देशों के विशेषज्ञों की भागीदारी के साथ रोमुवा समुदाय

के संदर्भ में लिथुआनिया के साथ भारत के संबंधों पर एक सम्मेलन का आयोजन करने का प्रस्ताव किया है।

योग : लिथुआनिया के 18 शहरों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। भारी बरसात जिससे सबेरे खुले आकाश में आयोजित होने वाला समारोह खराब हो गया, के बावजूद सैकड़ों लोग इस समारोह के लिए एकत्र हुए, न केवल विलनियस की राजधानी शहर में अपितु अन्य शहरों में भी जो भारतीय दर्शन तथा योग की बढ़ती लोकप्रियता की पुष्टि करता है। 1200 बजे सभी 18 शहरों में सभी प्रतिभागी एक ग्रीन मैसेज भेजने के उद्देश्य से ताड़ आसन की मुद्रा में एक साथ खड़े हुए।

अतुल्य भारत रोड शो : दूतावास की सहायता से पर्यटन मंत्रालय ने उत्थानशील भारत की समृद्धि और विविधता का लुत्फ उठाने के लिए लिथुआनिया के पर्यटकों को आमंत्रित करने के लिए विलनियस में 7 जुलाई 2015 को एक रोड शो का आयोजन किया। इन कार्यक्रमों में भारत से लगभग 18 टूर एण्ड ट्रैवल आपरेटरों ने भाग लिया। पर्यटन मंत्रालय में अपर सचिव श्री गिरीश शंकर ने अतुल्य भारत के पर्यटक अनुकूल गंतव्यों पर एक मल्टी मीडिया प्रस्तुति दी। रोडशो के दौरान लिथुआनिया के स्थानीय टूर आपरेटरों को भारत के टूर आपरेटरों के साथ सीधी बातचीत करने तथा भावी रणनीतियां बनाने के लिए अपने विचारों, सर्वोत्तम प्रथाओं एवं रुझानों को साझा करने का अवसर प्रदान किया।

गांधी जी की मूर्ति का अनावरण : कृषि राज्य मंत्री श्री मोहन भाई कुंडारिया ने महात्मा गांधी तथा लिथुआनिया के अपने दोस्त हर्मन कालेनबच की एक मूर्तिकला कंपोजीशन के अनावरण के लिए लिथुआनिया का दौरा किया। 2 अक्टूबर 2015 को कालेनबच के जन्म स्थान रूसने में लिथुआनिया के प्रधानमंत्री और कृषि राज्य मंत्री कुंडारिया द्वारा संयुक्त रूप से मूर्ति का अनावरण किया गया।

आई टी ई सी : भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आई टी ई सी) कार्यक्रम के तहत 1993 से लिथुआनिया के 400 से अधिक नामितियों ने राजनय, अंग्रेजी, बैंकिंग, मास कम्युनिकेशन, वित्तीय प्रबंधन, शहरी विकास प्रबंधन, आईटी, लेखा परीक्षा आदि में विभिन्न पाठ्यक्रमों में भाग लिया है। लिथुआनिया के लिए हर साल लगभग 65 सीटें आवंटित की जाती हैं जिनमें से अधिकांश का उनके द्वारा उपयोग किया जाता है। सर्वोच्च स्तर पर लिथुआनिया के नेतृत्व ने आई टी ई सी कार्यक्रम की सराहना की है।

फ्रेंडशिप सोसाइटी : दो फ्रेंडशिप सोसाइटी अर्थात भारतीय सांस्कृतिक एवं सूचना केन्द्र (आई सी आई सी) जो 2005 में स्थापित हुई है तथा भारतीय लिथुआनियन फोरम (आई एल एफ), विलनियस जो 2010 में स्थापित हुई है, इस समय अभिनय कलाओं, सिनेमा, साहित्य एवं महोत्सव के माध्यम से भारतीय संस्कृति के प्रचार प्रसार के लिए लिथुआनिया में क्रियाशील हैं।

वीजा : सितंबर 2010 से वीजा सेवाओं को आउटसोर्स किया गया है। लिथुआनिया से वीजा आवेदनों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है। कलेंडर वर्ष 2015 में 1625 वीजा जारी किए गए। लिथुआनिया को 1 मई 2015 से भारत सरकार की इलेक्ट्रानिक टूरिस्ट वीजा स्कीम में शामिल किया गया है। मई से दिसंबर 2015 तक लिथुआनिया के 600 नागरिकों ने इलेक्ट्रानिक टूरिस्ट वीजा पर भारत का दौरा किया है। इस प्रकार 2015 में लिथुआनिया के नागरिकों को कुल 2225 वीजा जारी किए गए थे।

भारतीय समुदाय :

छात्रों सहित भारतीय समुदाय की संख्या 700 के आसपास है। अनेक छात्र पढ़ाई करने के लिए तत्कालीन यू एस एस आर से आए थे तथा शादी या व्यवसाय के कारण वहीं रुक गए। पिछले कुछ वर्षों में आई टी परियोजनाओं पर काम करने के लिए भारत के कुछ आई टी विशेषज्ञ लिथुआनिया आए हैं। 15 भारतीय परिवार लोहिया ग्रुप के क्लैपेडा प्लांट में काम कर रहे हैं। भारतीय योग तथा न्यू एज मूवमेंट भी समय समय पर लिथुआनिया में काम करने के लिए अपने भारतीय शिक्षकों को लाते हैं। नवीनतम डाटा दर्शाता है कि लिथुआनिया में पूर्णकालिक अध्ययन करने वाले भारतीय छात्रों की संख्या 2011 में 37 से बढ़कर 2014 में 357 हो गई है तथा 2015 में 600 के आसपास पहुंचने की संभावना है।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, वार्सा की वेबसाइट :
http://www.indembwarsaw.pl/
भारतीय दूतावास, वार्सा का फेसबुक पृष्ठ :
https://www.facebook.com/embassyofindiawarsaw
भारतीय दूतावास, वार्सा का ट्विटर पृष्ठ :
twitter.com/@IndiaPoland

फरवरी 2016